विषय-सूची

1. **मुद्रा के कार्य और प्रकार**
   (Functions and Types of money)
   मुद्रा की प्रकृति और परिभाषा; मुद्रा की सैद्धांतिक और अनुभवसिद्ध परिभाषाएं, मुद्रा का वर्गीकरण अथवा प्रकार; मुद्रा तथा निकट मुद्रा; मुद्रा के कार्य; प्रश्न
2. **मुद्रा का महत्व अथवा भूमिका**
   (Significance or Role of Money)
   मुद्रा की भूमिका का सामाजिक महत्व; मुद्रा के दोष; पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका; मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; प्रश्न
3. **मुद्रा का चक्रीय प्रवाह**
   (The Circular Flow of Money)
   अर्थ; घरेलू और व्यवसाय क्षेत्रों के बीच मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेश युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; सरकारी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; मुद्रा के चक्रीय प्रवाह का महत्व; प्रश्न
4. **आंतरिक और बाह्य मुद्रा**
   (Inside and Outside Money)
   अर्थ; महत्व; सकल मुद्रा और निवल मुद्रा सिद्धान्त; प्रश्न
5. **मुद्रा की तटस्थता**
   (Neutrality of Money)
   अर्थ; क्लासिकी व्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; केन्जी़य अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; मुद्रावादी विचार; प्रश्न
6. **मौद्रिक मान**
   (Monetary Standards)
   मौद्रिक मान का अर्थ एवं रूप; स्वर्णमान; द्विधातुमान; ग्रेशम का नियम; कागज मुद्रा मान; नोट निर्गम के नियम और विधियाँ; प्रश्न
7. **मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त और उसके रूपान्तर**
   (The Quantity Theory of Money and its Variants)
   मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन-देन सिद्धान्त; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धान्त; लेन-देन सिंद्धान्त बनाम नकदी शेष सिद्धान्त; नकदी शेष सिद्धांन्त की लेन-देन सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न
8. **केन्ज के मूलभूत समीकरण**
   (Keynes' Fundamental Equations)
   अर्थ; आलोचनाएँ; निष्कर्ष; प्रश्न
9. **मुद्रा का आय-व्यय सिद्धान्त**
   (Income-Expenditure Theory of Money)

भूमिका; आय-व्यय दृष्टिकोण; बचत-निवेश दृष्टिकोण; आय-व्यय (अथवा बचत-निवेश) सिद्धान्त की परिमाण सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न

10. मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धान्त
(The Keynesion Theory of Money and Prices)
भूमिका; केन्ज़ द्वारा पुनः व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त; परम्परागत मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त पर केन्ज़ीय सिद्धान्त की श्रेष्ठता; केन्ज़ के मुद्रा और कीमत सिद्धान्त की आलोचनाएं; प्रश्न

11. फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का पुनः प्रतिपादन
(Friedman's Re-Formulation of the Quantity Theory of Money)
भूमिका; फ्रीडमैन का सिद्धान्त; फ्रीडमैन के मुद्रा सिद्धान्त का अनुभवसिद्ध प्रमाण; फ्रीडमैन बनाम केन्ज़; प्रश्न

12. वास्तविक शेष प्रभाव और पीगू प्रभाव
(The Real Balance Effect and Pigou Effeet)
पेटिनकिन द्वारा किया गया मुद्रा तथा मूल्य सिद्धान्त का एकीकरण; वास्तविक शेष प्रभाव; पीगू प्रभाव; पीगू प्रभाव तथा वास्तविक शेष प्रभाव में अन्तर; प्रश्न

13. मुद्रा की मांग
(The Demand for Money)
भूमिका; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मत; तरलता अधिमान; केन्जोपरान्त मत; प्रश्न

14. मुद्रा की पूर्ति
(The Supply of Money)
मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; उच्चस्तरीय या उच्च शक्ति वाली मुद्रा एवं मुद्रा गुणक; मुद्रा गुणकों की व्युत्पत्ति; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप; प्रश्न

15. मुद्रा का तरलता सिद्धान्त
(The Liquidity Theory of Money)
प्रस्तावना; रेडक्लिफ समिति का मत; रेडक्लिफ-सेयरस् थीसिस; गुर्ले-शॉ का मत; प्रश्न

16. क्लासिकी और केन्ज़ीय सिद्धान्तों में मुद्रा का कार्यभाग
(Role of Money in Classical and Keynesion Theosion)
प्रस्तावना; क्लासिकी मत; केन्जीय मत; मौद्रिक संतुलन; प्रश्न

17. वाणिज्यिक बैंकों के कार्य
(Functions of Commercial Banks)
अर्थ;वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; वाणिज्यिक बैंक का तुलन पत्र; विकासशील देश में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका; प्रश्न

18. वाणिज्यिक बैंकों का संगठन और ढांचा
(Organisation and Structure of Commercial Banker)
भूमिका; यूनिट बैंकिंग; शाखा बैंकिंग; समूह बैंकिंग; श्रृंखला बैंकिंग; मिश्रित बैंकिंग; सहसंबंधी बैंकिंग; प्रश्न

19. वाणिज्यिक बैंक की नीतियाँ और सिद्धान्त
(Policies and Principles of Commercial Bank)
भूमिका; निवेश-सूची प्रबंधन के उद्देश्य; निवेश-सूची के सिद्धान्त; वाणिज्यिक बैंकों की निवेश नीति; सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था की आवश्यकताएँ; प्रश्न

20. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण
(Credit Creation by Commercial Banks)

क्या बैंक साख निर्माण करते हैं ?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न

21. केन्द्रीय बैंकिग: कार्य एवं साख-नियंत्रण

(Central Banking: Functions and Credit Control)

भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न

22. वित्तीय मध्यस्थ

(Financial Intermediaries)

अर्थ; मध्यस्थता की प्रक्रिया; वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; आर्थिक वृद्धि में वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; वित्तीय मध्यस्थ और अल्पविकसित देश; बचत-निवेश प्रक्रिया में वित्तीय मध्यस्थ; प्रश्न

23. गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

(Non-Bank Financial Intermediaries)

अर्थ; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों का कार्यभाग; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ तथा मौद्रिक नीति; गुर्ले-शॉ थीसिस; बैंक तथा गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों में अन्तर; प्रश्न

24. ब्याज दर के सिद्धान्त

(Theories of Interest Rate)

प्रस्तावना; ब्याज का क्लासिकी सिद्धान्त; ब्याज का ऋण-योग्य निधि सिद्धान्त; इसकी क्लासिकी सिद्धान्त से श्रेष्ठता; केन्ज़ का ब्याज तरलता अधिमान सिद्धान्त; ऋण-योग्य निधि के सिद्धान्त से श्रेष्ठता; ब्याज दर की क्लासिकी, ऋण-योग्य निधियों तथा केन्जीय सिद्धान्तों की अनिर्धारितता; ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त; केन्जीय सिद्धान्त से श्रेष्ठता; विकसैल का सिद्धान्त: ब्याज की सतुंलक एवं बाजार दर; प्रश्न

25. IS और LM फलन: वस्तु और मुद्रा बाजारों का सामान्य संतुलन

(IS and LM Functions: General Equilibrium of Product and Money Markets)

प्रस्तावना; वस्तु बाजार संतुलन; मुद्रा बाजार संतुलन; वस्तु और मुद्रा बाजार में सामान्य संतुलन; सामान्य संतुलन में परिवर्तन; प्रश्न

26. ब्याज दरों का अवधि ढांचा

(Term Structure of Interest Rates)

अर्थ; ब्याज दर के अवधि ढांचा के निर्धारक कारक; ब्याज-दर का अवधि ढांचा सिद्धान्त; प्रश्न

27. वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार

(Financial Markets: Money and Capital Market)

अर्थ और प्रकार; वित्तीय बाजार की संस्थाएँ; वित्तीय बाजारों की कुशलता; मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; मुद्रा और पूंजी बाजार में अन्तर; मुद्रा और पूंजी बाजार में परस्पर संबंध; प्रश्न

28. स्फीति तथा अवस्फीति

(Inflation and Deflation)

प्रस्तावना; स्फीति का अर्थ एवं प्रकार; स्फीति अन्तराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धान्त; लागतजन्य स्फीति; मांगजन्य स्फीति बनाम लागतजन्य स्फीति; मिश्रित मांगजन्य-लागतजन्य स्फीति; क्षेत्रीय अथवा मांग स्थानान्तरण स्फीति; संरचनात्मक स्फीति; मूल्य बढ़ाव स्फीति; खुली तथा निरूद्ध या दमित स्फीति; फिलिप्स वक्र: बेरोजगार और स्फीति में सम्बन्ध; स्फीति का खोज सिद्धान्त; गतिहीन स्फीति; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; विकासशील देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; अवस्फीति; स्फीति की आर्थिक विकास में

भूमिका; प्रश्न

29. **मौद्रिक नीतिः उद्देश्य, लक्ष्य और संकेतक**
(Monetary Policy: Objectives, Targets and Indicators)
प्रस्तावना; मौद्रिक नीति का अर्थ; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; मौद्रिक उद्देश्यों में विरोध या विनियम; मौद्रिक नीति के लक्ष्य; मौद्रिक नीति के संकेतक; प्रश्न

30. **मौद्रिक नीतिः उपकरण, प्रकार, नियम और स्वनिर्णय**
(Monetary Policy: Instruments, Types, Rules and Discretion)
मौद्रिक नीति के उपकरण; विस्तारक मौद्रिक नीति; प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति; विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका; मौद्रिक नीति में नियम बनाम स्वनिर्णय; प्रश्न

31. **मौद्रिक नीति पर क्लासिकी, केन्ज़ीय और आधुनिक मत**
(Classical, Keynesian and Modern Views on Monetary Policy)
क्लसिकी मत; केन्जीय मत; आधुनिक मत; प्रश्न

32. **मौद्रिक नीति में समय पश्चता**
(Time Lags in Monetary Policy)
अर्थ और प्रकार; पश्चता का स्वरूप; आलोचनाएं; नीति निहितार्थ; प्रश्न

33. **मौद्रिक संचारण तंत्र**
(Montary Transmission Mechanism)
प्रस्तावना, क्लासिकी सिद्धांत में संचारण तंत्र, केन्जीय सिद्धांत में संचारण तंत्र, मौद्रिक सिद्धांत में संचारण तंत्र, नव-केन्जीय सिद्धांत में संचारण तंत्र, प्रश्न

34. **मुद्रावादी क्रान्ति**
(The Monetarist Revolution)
अर्थ; मुख्य विशेषताएं; प्रश्न

35. **राजकोषीय नीति**
(Fiscal Policy)
अर्थ; राजकोषीय नीति के उद्देश्य; राजकोषीय नीति के औजार; प्रश्न

36. **मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में समन्वय**
(Co-ordination between Monetary and Fiscal Policies)
प्रस्तावना; आन्तरिक और बाह्य संतुलन के लिए नीतियां: व्यय-परिवर्तन और व्यय-घटाना; प्रश्न

37. **मुद्रावाद बनाम केन्ज़वाद**
(Monetarism Versus Keynesianism)
प्रस्तावना; सैद्धान्तिक भेद; नीति विषयक अन्तर; प्रश्न

38. **क्राउडिंग आउट प्रभाव और उपलब्धता सिद्धांत**
(Crowding Out Effect and Availability Doctrine)
क्राउडिंग आउट का अर्थ; क्राउडिंग आउट के प्रकार; क्राउडिंग आउट तथा राजकोषीय नीति; ऋण उपलब्धता सिद्धांत अथवा रूसा प्रभाव; प्रश्न

39. **विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना**
(The Rational Expectations Hypothesis)
प्रस्तावना; विवेकपूर्ण प्रत्याशाएं; विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना की मूल प्रस्थापनाए; स्थिरीकरण नीति तथा रेटेक्स

परिकल्पना; प्रश्न

40. व्यापार-चक्रों की प्रकृत्ति एवं सिद्धान्त

(Nature of Trade Cycles and Theories)

अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएँ; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त; स्थिरीकरण नीतियाँ या व्यापार- चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न

41. विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त

(Theories of Foreign Exchange Rate)

विदेशी विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न

42. विदेश विनिमय दर नीति

(Foreign Exchange Rale Policy)

प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; व्यवहार में विनिमय दर प्रणालियाँ; प्रश्न

43. भुगतान शेष

(Balance of Payment)

अर्थ तथा संरचना; क्या भुगतान-शेष हमेशा संतुलन में होतें है ? व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान-शेष का समायोजन अथवा असंतुलन ठीक करने के उपाय; भुगतान-शेष की मौद्रिक धारणा; प्रश्न

44. अवमूल्यन

(Devaluation)

45. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(The International Monetary Fund)

प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एवं ढांचा; कोष का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; मुद्रा कोष में स्वर्ण की भूमिका; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न

46. विश्व बैंक

(The World Bank)

कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी सरंचना; निधीयन; कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएँ; समीक्षात्मक मूल्यांकन; भारत तथा विश्वबैंक; प्रश्न

47. विश्व बैंक परिवार

(The World Bank Family)

अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद्; अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम; बहुपक्षीय निवेश गांरटी एंजेंसी; प्रश्न

48. अन्तर्राष्ट्रीय तरलता

(International Liquidity)

अर्थ; अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या और आवश्यकता; अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्तर्राष्ट्रीय तरलता; प्रश्न

49. अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली

(International Monetary System)

50. यूरोपीय मौद्रिक प्रणाली एवं यूरो

(The European Monetary System and Euro)

51. एशियाई विकास बैंक

(Asian Development Bank—ADB)

प्रस्तावना; इसके उद्देश्य; इसके कार्य; इसकी सदस्यता; इसका प्रबंध; इसके वित्तीय स्त्रोत; इसकी प्रगति; इसका मूल्यांकन; प्रश्न

52. भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली

(Present Monetary System of India)

प्रस्तावना; भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली; भारतीय करेन्सी प्रणाली का संक्षिप्त इतिहास; प्रश्न

53. भारतीय मुद्रा बाजार

(Indian Money Market)

अर्थ; भारतीय मुद्रा बाजार का स्वरूप; भारतीय मुद्रा बाजार के कार्य अथवा मुद्रा बाजार का महत्व; भारतीय मुद्रा बाजार के संघटक; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; भारतीय मुद्रा बाजार में सुधार करने के सुझाव; प्रश्न

54. भारतीय पूंजी बाजार

(Indian Capital Market)

भारतीय पूंजी बाजार की विशेषताएं; भारतीय पूँजी-बाजार का कार्यकरण; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; सुधार के लिए कुछ सुझाव; प्रश्न

55. साहूकार और देशी बैंकर

(Money-lenders and Indigenous Bankers)

साहूकार; देशी साहूकार; देशी बैंकर्स और साहूकारों में भेद; प्रश्न

56. भारत में सहकारी बैंक

(Co-operative Banks in India)

प्राथमिक कृषि संबंधी ऋण समितियाँ; केन्द्रीय सहकारी बैंक; राज्य सहकारी बैंक; भूमि विकास बैंक; सहकारी ढ़ाचें को सुदृढ़ करना; प्रश्न

57. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)

(Regional Rural Banks and National Bank for Agricultural and Rural Development-NABARD)

ग्रामीण बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक: (नाबार्ड); प्रश्न

58. भारत में वाणिज्यिक बैंक

(Commereial Banks in India)

वाणिज्यिक बैंकों का वर्गीकरण; भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; प्रश्न

59. बैंकिंग प्रणाली में वर्तमान प्रवृत्तियाँ

(Recent Trends in the Banking system)

प्रस्तावना; सामाजिक बैंकिंग; नवीन या प्रवर्तक बैंकिंग; भारतीय बैंकिंग प्रणाली के दोष; कार्य में सुधार के सुझाव; नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट; बैंकिंग-प्रणाली में हुए नवीन या वर्तमान सुधार; प्रश्न

60. वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण

(Nationalisation of Commercial Banks)

प्रस्तावना; वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण का औचित्य; बैंक राष्ट्रीकरण के उद्देश्य; भारत में राष्ट्रीयकृत बैंकों के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

61. भारतीय रिजर्व बैंक

(Reserve Bank of India)

इसका संविधान; संगठनात्मक संरचना एवं प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के उद्देश्य; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य; भारतीय रिजर्व बैंक और कृषि वित्त; रिजर्व बैंक तथा औद्योगिक वित्त; भारतीय रिजर्व बैंक तथा बिल बाजार योजना; भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा नियंत्रण प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

62. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

(Monetary Policy of Reserve Benk of India)

भूमिका; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; साख नियंत्रण की विधियाँ; मौद्रिक नीति की विफलता के कारण; प्रश्न

63. भारत में विकास बैंकिंग

(Development Banking in India)

प्रस्तावना; अर्थ; विकास बैंक के कार्य; विकास बैंक का महत्व; भारत में विकास बैंक; आधारभूत सुविधा विकास वित्त कम्पनी; प्रश्न

64. भारत में गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

(Non-Bank Financial Intermediaries in India)

प्रस्तावना; गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ; गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का विनियमन; प्रश्न

65. घाटे का वित्त-प्रबन्धन

(Deficit Financing in India)

अर्थ; घाटे के वित्त-प्रबन्धन की भूमिका; भारत में घाटे का वित्त प्रबंधन; प्रश्न

66. भारतीय अर्थव्यवस्था में स्फीतिकारी प्रवृत्तियाँ

(Inflationary Trends in Indian Economy)

स्फीति के कारण; सरकार की कीमत-नियंत्रण नीति; प्रश्न

67. भारत में मर्चेंट बैंकिंग

(Merchant Banking in India)

परिचय; भारत में मर्चेंट बैंकिंग की वृद्धि और कार्यकरण; मर्चेंट बैंकिंग की कमियां और उपचार; प्रश्न

68. भारत में पारस्परिक निधियां (म्यूचुअल फंड)

(Mutual Funds in India)

प्रस्तावना; म्यूचुअल फंड के उद्देश्य; म्यूचुअल फंड के लाभ; म्यूचुअल फंड की योजनाएं; भारत म्यूचुअल फंड की वृद्धि और कार्यकरण; प्रश्न

69. सेबी की भूमिका और उपलब्धियां

(Role and Achievements of SEBI)

प्रश्न

70. भारत में वित्तीय सुधार

(Financial Reforms in India)

परिचय; बैंकिंग क्षेत्र में सुधार; मुद्रा बाजार सुधार; पूंजी बाजार सुधार; प्रश्न